अध्यात्म हमें संस्कारी एवं सेवाभावी बनाता

अम्बिकापुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के नव विश्वभवन में आयोजित शिक्षकों के सम्मान समारोह में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा के कुलपति प्रोफेसर प्रेम प्रकाश सिंह ने कहा कि भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए शिक्षा जगत में कई त्रुटियाँ और खामियां हैं जिसे निकालना बहुत ज़रूरी है। सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. विद्या ने कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था मुख्यतः किताबों एवं डिग्रियों तक सीमित हो गई है जिसमें अभी आध्यात्मिकता के समावेश की नितांत आवश्यकता है। श्री साईं बाबा आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि आज आवश्यकता है कि शिक्षक स्वयं को सिर्फ एक वेतन भोगी कर्मचारी ना समझते हुए गुरु समझें एवं अनुशासन की छड़ी द्वारा विद्यार्थियों के सुंदर भविष्य का निर्माण करें। केन्द्रीय विद्यालय प्राचार्य राजेश प्रसाद,अम्बिकापुर ने कहा कि आज शिक्षा और अध्यात्म एक साथ लाने की आवश्यकता है। शासकीय कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग कॉलेज के एच.ओ.डी. डॉ. मोहन राव मामडीकर, आई.टी.आई. अम्बिकापुर की प्रिंसिपल श्रीमती पूर्णिमा पटेल एवं समग्र शिक्षा के ए.पी.सी. संजय सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में उप यातायात प्रभारी अभय तिवारी, समाजसेवक मंगल पांडे, नवीन गोयल, डॉ. संजय गोयल सहित 150 से भी अधिक शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन ब्र.कु. प्रतिमा ने किया।

राष्ट्र का निर्माण संसद में ही नहीं, बल्कि विद्यालय में भी होता

नरसिंहपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के दिव्य संस्कार भवन में आयोजित शिक्षकों के लिए सम्मान समारोह कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम ने बताया कि डॉ. राधाकृष्णन जन्मोत्सव की यादगार में 5 सितम्बर शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लंबे अरसों तक शिक्षक बन उनका एक ही वाक्य था कि राष्ट्र का निर्माण संसद में ही नहीं बल्कि विद्यालय में भी होता है। शिक्षक, गुरु, और आचार्य राष्ट्र का निर्माण करने का आधार हैं। वर्तमान समय सब शिक्षकों के भी परम शिक्षक, परम सद्गुरु, परमपिता परमात्मा शिव प्रजापिता ब्रह्मा के तन में अवतरित होकर पुनः मानव मात्र को देव तुल्य बनाने की दिव्य शिक्षा दे रहे हैं। पौजी कॉलेज के प्राचार्य आर.बी. सिंह ने कहा कि शिक्षक को भगवान तक का दर्जा दिया गया है क्योंकि वो छात्रों के जीवन को गढ़ता है। उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य जी.एस. पटेल ने कहा कि शिक्षा में आध्यात्मिकता का समावेश करें ताकि हम अपने दायित्वों का निर्वहन भली-भांति कर सकें। कार्यक्रम में एम.एल.बी. स्कूल की प्राचार्या श्रीमती आशा नेमा, डॉ. जमीला,माउंट आबू तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन प्रमेश कौरव ने किया एवं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त मुकेश नेमा ने किया।

व्यक्ति के भविष्य की नींव - विद्यार्थी जीवन

बिलासपुर-छ.ग.। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में नवनिर्वाचित विद्यार्थियों के लिए आयोजित 'दीक्षारम्भ 2025' कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. स्वाति ने कहा कि विद्यार्थी जीवन को सम्पूर्ण जीवन का आधार माना जाता है क्योंकि यह समय व्यक्ति के भविष्य की नींव रखता है। जिससे वह ज्ञान, चरित्र निर्माण, आवश्यक कौशल प्राप्त करता है और एक सफल

व सभ्य नागरिक के रूप में समाज के किसी भी क्षेत्र में योगदान देने के लिए तैयार होता है। अंत में दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर वी.के. सारस्वत ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर उस लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए टिप्स बताए। कार्यक्रम के अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एडीएन वाजपेयी ने कहा कि विद्यार्थियों से अपेक्षाएं उतनी ही रखें जितना कि वह उन अपेक्षाओं को पूरा कर सकें। माननीय कुलसचिव डॉ. तारणीश गौतम ने आभार व्यक्त किया। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एडीएन वाजपेयी ने ब्र.कु. स्वाति दीदी का शॉल, मोमेंटो एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में ब्र.कु. संतोषी, उद्योगपति चंद्रशेखर देवांगन, कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. सुमोना भट्टाचार्य, एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी डॉ. कमल छाबड़ा, विश्वविद्यालय के सभी प्रभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थिगण उपस्थित रहे।

युवाओं के लिए 'नई उमंग, नई तरंग' अभियान का किया शुभारम्भ

गुरुग्राम-ओ.आर.सी(हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के भोराकलां स्थित ओमशान्ति रिट्रीट सेंटर के दादी प्रकाशमणि सभागार में युवाओं के लिए आयोजित 'नई उमंग, नई तरंग' अभियान कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुरूआत हुई। 19 सितम्बर से 21 दिसम्बर तक चलने वाले इस अभियान के तहत दिल्ली एवं एनसीआर में अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। अभियान का लक्ष्य युवाओं को उनकी क्षमताओं से जागरूक कर उन्हें प्रेरित करना है। उनमें लक्ष्य के प्रति नई ऊर्जा का संचार करना है। साथ ही नशे एवं व्यसनों की बुरी आदतों से मुक्त करना है। इस अवसर पर ग्लोबल योग एलायंस के अध्यक्ष डॉ. गोपाल ने कहा कि युवा आशावादी होते हैं। अगर युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा दी जाए तो शक्तिशाली समाज का निर्माण हो सकता है। उन्होंने कहा कि सात्विक भोजन से विचार, विचार से कर्म और कर्म से संस्कार श्रेष्ठ बनते हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के सहायक निदेशक संदीप यादव,दिल्ली ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ एवं एन.सी.बी. के मध्य एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए हैं। उन्होंने कहा कि नशे की लत के कई कारण हैं। जिसमें प्रमुख रूप से जिज्ञासा, साथियों का दबाव, तनाव, शौक एवं दिखावा है। अगर युवा मानसिक रूप से मजबूत होंगे तो नशे के आदि नहीं हो सकते। ओ.आर.सी. निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि जीवन में कभी भी निराश नहीं होना। जीवन के अंतिम क्षणों तक भी पासा पलट सकता है। असफलता, सदैव हमें एक पाठ पढ़ाती है। भारत को विश्व गुरू बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी ने कहा कि उमंग-उत्साह जीवन की सांसें हैं। आज युवाओं में तनाव और निराशा बढ़ रही है। स्वयं से उनका विश्वास घट रहा है। ऐसे में संस्था का युवा प्रभाग युवाओं के लिए अनेक अभियान आयोजित करता है। उन्होंने कहा

कि युवाकाल जीवन का सर्वश्रेष्ठ काल है। इस काल में युवा मानसिक, बौद्धिक एवं शारीरिक क्षमताओं को जितना बढ़ाना चाहे बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि अपनी कभी भी किसी से तुलना न करें। आप इस दुनिया में अद्वितीय हैं। युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. कृति दीदी ने अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जीबी पंत हॉस्पिटल के सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. स्वप्न गुप्ता ने नशे और व्यसनों से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। युवा प्रभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. आत्मप्रकाश ने भी अपने विचार व्यक्त किए। युवा प्रभाग दिल्ली के संयोजक ब्र.कु. रोहित ने भी अपने विचार रखे। युवा प्रभाग दिल्ली की संयोजिका ब्र.कु. अनुसूया ने अपने शब्दों से सभी का अभिवादन किया। ब्र.कु. गीता,भीनमाल ने सभी को राजयोग के अभ्यास से गहन शान्ति की अनुभूति कराई। ब्र.कु. जीतू,मांउट आबू ने सभी को नशामुक्त एवं विकसित भारत के लिए प्रतिज्ञा कराई। लक्ष्मी नगर,दिल्ली से आये युवा कलाकारों ने 'नई उमंग, नई तरंग' विषय पर बहुत सुन्दर नाटक का मंचन किया। पश्चिम विहार,दिल्ली के युवाओं ने नृत्य द्वारा सबका मनोरंजन किया। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. विद्यात्री ने किया तथा कार्यक्रम में 1000 भी अधिक युवाओं एवं अन्य लोगों ने शिरकत की।

'प्रकृति एवं जीव' के तालमेल से गाँव बनेगा समृद्ध

मेहसाना-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ गुजरात की ईश्वरीय सेवाओं के 60 वर्ष पूर्ण होने पर क्षेत्रीय ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान डायमंड जुबली वर्ष मना रहा है। इसके अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग सितम्बर एवं अक्टूबर मास में **मेरा गाँव, बने महान** योजना के अंतर्गत पूरे गुजरात के गाँवों के सर्वांगीण विकास के लिए 5 सितम्बर शिक्षक दिवस के दिन आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि भारत के गाँव, गोपाल, गऊ एवं गोपी से बनी मूल्यों से भरी संस्कृति थी। उस समय रास्तों पर एवं घरों में लाइट नहीं थी किन्तु सभी की ज्योत सद्गुणों से भरपूर होने के कारण पूरा गाँव झगमगाता था। सभी सुखी थे। आज सब कुछ होते हुए भी गाँवों की स्थिति दयनीय हो गई है। गाँवों को फिर से महान एवं समृद्ध बनाना है तो आवश्यकता है कि सभी के अंदर आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश हो। कृषि विज्ञान केन्द्र,खेरवा के सीनियर साइंटिस्ट एवं हेड डॉ. रमेश भाई पटेल ने कहा कि मनुष्य के विचारों को सुधारने का कार्य यह ब्रह्माकुमारीज़ संस्था कर रही है। बागवानी महाविद्यालय जगुदन के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हितेष भाई पटेल, गुजरात सरकार द्वारा 'वन पण्डित' अवॉर्ड विजेता गणपत यूनिवर्सिटी,खेरवा के फार्म मैनेजर अश्विन भाई पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ब्र.कु. कुसुम ने सभी मेहमानों का शब्दों से स्वागत किया। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. वर्षा ने किया।

सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का योगदान

दुर्ग-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के आनंद सरोवर में भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित **'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत'** कार्यक्रम में रुंगटा कॉलेज में अध्ययनरत प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आये युवा छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने कहा कि सशक्त राष्ट्र का निर्माण तभी होगा जब मन को स्वस्थ रख अपने अंदर सकारात्मक बदलाव लाएंगे और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए मेडिटेशन करें, सकारात्मक लोगों की संगति करें, सकारात्मक विचारों से घिरे रहें। शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक आर.एल. ठाकुर ने कहा कि व्यसन व नकारात्मकता से मुक्त होने के लिए दृढ़ संकल्पों की आवश्यकता है। रुंगटा कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. सत्यधर्म भारती ने कहा कि सशक्त युवा बनने के लिए

आज ही दृढ़ संकल्प कीजिए कि जो भी व्यसन है उसको आज से ही विराम देंगे। प्लास्टिक सर्जन डॉ. दीपक कोठारी,दुर्ग ने कहा कि तनाव दूर करने का उपाय सिर्फ व्यसन करना नहीं है, बल्कि इसकी जगह मेडिटेशन करें व सकारात्मक लोगों के साथ रहें। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रीटा ने कहा कि युवा जागृत है, नशा मुक्त है तो देश महान ही नहीं सर्वश्रेष्ठ है। ब्र.कु. चैतन्य प्रभा ने भी अपने वक्तव्य रखे। ब्र.कु. रूपाली ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी और अंत में युवा छात्र-छात्राओं को प्रतिज्ञा कराई कि विकसित भारत के लिए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाएंगे और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंगे।